इवेलुयेशन बिजिट रिपोर्ट 5 नबम्वर से 7 नबम्वर 2015

दिल्ली से आय श्री समीर स्टीपन कुजूर द्वारा सुजाग्रति समाज सेवी संस्था मुरैना को दिये गये GEF के अन्तर्गत SGP प्रोजेक्ट कार्य का इवेलुयेशन किया गया।

5/11/2015 प्रथम दिन सुबह 11 बजे से कार्यालय सुजाग्रति में संस्था कार्यकर्ता एवं कॉडीनेटर के साथ चर्चायें एवं प्रेजेन्टेशन GEF प्रोजेक्ट पर किया गया कुछ आवश्यक दस्तावेज चाहे गये व प्रदान किये गये तत्पश्चात फील्ड बिजिट किया गया। सर्वप्रथम उन्होने बीज द्वारा बनाई गयी गुग्गुल नर्सरी का अवलोकन किया। इसके बाद दोनों गुग्गुल प्लान्टेशनों को देखा जहॉ पॉच–पॉच हजार गुग्गुल पेड़ 2 साल के भीतर रोपित किये गये तथा प्राकृतिक गुग्गुल का संरक्षण कैसे किया गया उसे जाना देखा एवं हितग्राही किसानों से प्लान्टेशन का संरक्षण एवं संबर्धन कैसे किया गया जाना व समझा। गुग्गुल से कैसे गोंद निकाला जाता है तथा मार्केटिंग व्यवस्था किया है जाना, बिजिट में बी.एम.सी. अध्यक्ष श्री रामनारायण द्वारा जानकारी दी गई। शाम को काशी बाबा स्वंय सहायता समूह से मिले तथा उनके दस्तावेज देखे एवं अध्यक्ष से जानकारी ली गई। शाम को 6 बजे वापिसी की गई।

6/11/2015 द्वितीय दिन सुबह 9 बजे फील्ड बिजिट किया गया विण्डवा गांव में बनाई गयी जलनिकास नाली, डौरबन्दी एवं स्टॉपडैंम को देखा तथा हितग्राही किसानों के साथ बैठक की गई। उनसे पूछा गया की यहॉ उनके द्वारा डौरबन्दी कैसे तैयार की गई तथा इससे क्या लाभ है जाना कलापथक दल का भी सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ। कलापथक के लोगों से भी जानकारी ली गई विण्डवा ग्राम के स्वयं सहायता समूह से चर्चा हुई व दस्तावेज देखे गये उसके वाद पिपरईपुरा में डौरबन्दी, जलनिकास नाली देखी गई एवं जैविक खेती का निरीक्षण व किसानों से बात की गई। तथा जे.एन.के.वी.वी. से आये डा0 कैलाश मीना से सुजाग्रति के साथ नेटवर्किंग पर चर्चा हुई इसी के साथ वन विभाग के रेंजर श्री लाखन शर्मा से भी संस्था के कार्य के बिषय में जाना। शाम 6 बजे घर वापिसी हुई।

7–11–2015 को सुबह 9 बजे पर फिर फील्ड विजिट हुआ सबसे पहले पिपरई की बी. एम.सी. से चर्चा हुई उसके दस्ताबेज देखे गये व जैवविविधता का संरक्षण एवं संबर्धन कैसे कर रहे हो जाना। इसके बाद नदुआपुरा में जनसभा ली गई समूह देखा , गुग्गुल गोंद के विषय में जाना गया तदोपरान्त डौरबन्दी, जल निकास नाली देखी गई तथा मसूदपुर एवं भानपुर में गुग्गुल जागरूकता हेतु दीवाल लेखनों का भी निरीक्षण किया गया। उनके द्वारा चम्बल नदी तथा बीहड़ पर भी विस्तृत जानकारी चाही गई व संस्था अध्यक्ष द्वारा बताई गयीं तथा चम्बल नदी का बिजिट भी किया गया। इसके बाद वापिसी हुई। वापस आकर संस्था के सिलाई सेंटर एवं गुग्गुल अगरबत्ती एवं धूपबत्ती देखी गई संस्था से रिपोर्ट देखी गई, ऑडिट रिपोर्ट एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र व गुग्गुल लेख एवं साहित्य लिये। शाम को विदाई की गई।

संस्था ऑफिस में जानकारी लेते हुए कुजूर साहब।

गुग्गुल नर्सरी की जानकारी लेते हुए कुजूर साहब।

रोपित पौधों की जानकारी लेते हुए कुजूर साहब।

रोपित पौधों की जानकारी लेते हुए कुजूर साहब।

गुग्गुल प्राकृतिक पौधों की जानकारी लेते हुए कुजूर साहब।

गुग्गुल गोंद तोड़ते हुए देखा कुजूर साहब ने।

करील की टैंटी से अचार बनाया जाता है टैंटिंयों का अवलोकन करते हुए कुजूर साहब।

स्वंय सहायता समूह का इवेलुऐशन करते कुजूर साहब।

डौरबन्दी एवं जलनिकास नालियों का अवलोकन करते हुए कुजूर साहब।

स्टॉपडैम का अवलोकन किया कुजूर साहब ने।

जैविक खेती का अवलोकन करते हुए कुजूर साहब।

सांस्कृतिक कार्यक्रम का अवलोकन करते हुए एवं सभा को संबोधित करते हुए डा0 कैलाश मीना एवं कुजूर साहब व जानकारी लेते हुए।

ग्राम पिपरईपुरा एवं विण्डवा की बी.एम.सी. यों का अवलोकन करते हुए कुजूर साहब।

चम्बल नदी व बीहड़ का अवलोकन करते हुए कुजूर साहब ग्राम भानपुर में।

जैविक खेती व जैवविविधता का अवलोकन करते हुए ग्राम मसूदपुर में कुजूर साहब।

अध्यक्ष
सुजाग्रति समाज सेवी
संस्था मुरैना म0 प्र0